दिनांक 15 जुलाई, 2019 को बी.एन आर चाणक्या रांची में नाबार्ड स्थापना दिवस के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण।

मुझे आज रा ट्रीय कृ ा और ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) के 38वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।

नाबार्ड कृ ा और लघु उद्योग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, हस्तशिल्प और अन्य ग्रामीण शिल्प तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्दजमहतंजमक त्नतंस क्मअमसवचउमदज और च्तवेचमतपजल सुनिश्चित करता है। इसका देश के विकास में अहम् योगदान है।

व र्ा 2018 में संसद द्वारा नाबार्ड अधिनियम में संशोधन कर नाबार्ड की प्रामाणिक पूंजी को भारत सरकार ने बढ़ाकर 30 हजार करोड़ रुपये कर दिया है जिससे इस संस्था के प्रमुख कार्य कृ ा और ग्रामीण विकास में लाखों गरीब लघु और सीमांत किसानों, आदिवासी और ग्रामीण महिलाओं की सहायता हो सकेगी।

हम जानते हैं कि भारत एक कृ ा प्रधान देश है। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि भारत की संस्कृति, कृ ाक संस्कृति है।

भारतीय किसान का जीवन संघ र्षपूर्ण होता है। जब तक भारत का किसान सम्पन्न नहीं होगा तब तक भारत वास्तव में प्रगति नहीं कर पायेगा।

भारत के किसान को आत्मनिर्भर बनाना होगा। यह जिम्मेदारी सरकार के साथ अन्य सभी संस्थाओं की है कि वे कृ ाकों की समस्याओं का समाधान करें।

झारखण्ड में देश का 40 प्रतिशत खनिज है परन्तु यहां की 70 प्रतिशत जनता कृ ा पर निर्भर है इसलिये कृ ा विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिये। कृ ा के विकास से राज्य में गरीबी, कुपो ाण, पलायन, बेरोजगारी जैसे बुनियादी समस्याओं का हम निदान कर सकते हैं।

हमारे राज्य झारखंड की खेती मुख्यतः व ार्ा पर आश्रित है, लेकिन पठारी भू–भाग होने के कारण व ार्ा जल का कृ ा कार्य में समुचित उपयोग नहीं हो पाता है। किसानों को उपज का पर्याप्त बाजार नहीं मिल पाना भी एक अहम समस्या है। व ार्ा जल संचयन के लिए लोगों को जागरुक करने की आवश्यकता है।

किसानों की आय वृद्धि करने के लिये पशुपालन, मत्स्यपालन, बागवानी, फल–फूल बनोपज भी प्रबल सहायक होंगे।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी किसानों की आय दुगनी करना चाहते हैं। नाबार्ड एवं सार्वजनिक बैंक त्नतंस क्मअमसवचउमदज को अपने वित्तीय सहयोगों द्वारा ग्रामीणों में समृद्धि ला सकते हैं वे किसानों की आय दुगनी करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

अपने अस्तित्व के पिछले 37 व ाों में नाबार्ड ने कृ ा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लगभग सभी सामाजिक आर्थिक कार्यकलापों तक पहुंच बनाई है। इसने कृ ा, कृ ाितर क्षेत्र, अन्य संबद्ध कार्यकलापों हेतु ऋण सहायता प्रदान करने और ऋण योजना और नीति प्रदान करने के अलावा कृ ा और ग्रामीण विकास में नीतिगत सहयोग द्वारा देश की ाी र्ा विकास वित्तीय संस्था की भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है।

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने भारतीय महिलाओं को सशक्त और आर्थिक रुप से समृद्ध बनाने के लिये महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को काफी प्रोत्साहन दिया था जिससे आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है। सामुहिक निर्णय, सामुहिक नेतृत्व द्वारा आपसी मतभेद का समाधान और अपनी आमदनी में से बचत कर महिलाओं की स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं के जीवन स्तर में बदलाव लाया है।

मुझे प्रसन्नता है स्वयं सहायता समूहों की थ्पदंदबपंस ैनचचवतज हेतु नाबार्ड हमेशा प्रयासरत रहा है। नाबार्ड कृ ा और ग्रामीण विकास से संबंधित सभी कार्यकलापों हेतु बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं को त्मपिदंदबम करती है, त्नतंस पदतिंजतनबजनतम के निर्माण हेतु राज्य सरकार को ऋण देती है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 2018–19 के दौरान देश में फसली ऋण हेतु किसानों को ऋण प्रदान करने के लिए सरकारी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को और वाणिज्य बैंकों को कुल 90 हजार करोड़ रुपये की ैावतज च्मतपवक में त्मपिदंदबम और क्पेइनतेमउमदज किया गया। झारखंड राज्य में नाबार्ड ने पिछले 5 व ाों के दौरान लगभग 400 करोड़ रुपये की ैावतज ज्मतउ त्मपिदंदबम – क्पेइनतेमउमदज की है।

नाबार्ड ने आरआईडीएफ (त्क्थ) की स्थापना त्नतंस प्दतिंजतनबजनतम के निर्माण हेतु राज्य सरकारों को ऋण प्रदान करने के लिए की थी। झारखंड सरकार द्वारा आरआईडीएफ (त्क्थ) के अंतर्गत कुल त्मपिदंदबम लगभग 8200 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। 2018–19 के दौरान नाबार्ड ने झारखंड राज्य में कुल 1970 करोड़ रुपये की ऋण सहायता उपलब्ध कराई है।

इस पहल के पीछे प्रमुख उद्देश्यों में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन, कृ ा उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, ग्रामीण गरीब के जीवन स्तर में सुधार और अनुकूल रोजगार अवसरों को पैदा करना ाामिल है।

झारखंड देश का एकमात्र राज्य है जिस के सभी 24 जिलों को आदिवासी विकास निधि के अंतर्गत कवर किया गया है और जिसमें बॉडी (बगीचा) एक प्रमुख घटक है जो आदिवासी समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक है।

मैं नाबार्ड टीम के सभी सदस्यों को झारखंड में किए गए कार्य के लिए बधाई देती हूं। नाबार्ड की विकास यात्रा चुनौतीपूर्ण रही है लेकिन उससे भी अधिक चुनौती समावेशी विकास के रूप में सामने हैं। इस संस्था को माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार, के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए एक नई ऊर्जा से काम करना है ताकि वह ना केवल व र्ा 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य प्राप्त कर सकें बल्कि भारत को अगले 5 व र्ाों में 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में सहायता दे सकें। मैं नाबार्ड के अधिकारियों और उसके सहयोगी संस्थाओं, झारखंड के लोगों, बैंकों, सरकारी अधिकारियों को ग्रामीण लोगों को विकास में सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद देती हूं।

जय हिंद जय झारखंड